



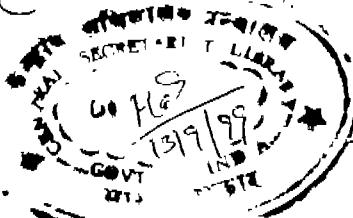
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 293]
No. 293]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 28, 1999/ज्येष्ठ 7, 1921

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 28, 1999/JYAISTHA 7, 1921

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मई, 1999

आयकर

का. आ. 395(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर अधिनियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (दसवाँ संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर अधिनियम, 1962 में,—

(क) नियम 44(ङ) में उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) धारा 245ध की उपधारा (1) के अधीन अग्रिम विनिर्णय अभिप्राप्त करने के लिए आवेदन,—

(क) किसी अनिवासी आवेदक की आवश्यकता के अनुसार अधिक वर्षों के लिए आवेदन,—

(ख) उस व्यक्ति की आवश्यकता की अवधि के अनुसार अधिक वर्षों के लिए आवेदन,—

(ग) ऐसे किसी अनिवासी की आवश्यकता की अवधि के अनुसार अधिक वर्षों के लिए आवेदन,—

(ख) परिशिष्ट II में, प्ररूप संख्यांक 34ग के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप संख्यांक 34घ

(नियम 44ड देखिए)

किसी व्यक्ति द्वारा किसी अनिवासी की करदायता के संबंध में, जो किए गए या किए जाने के लिए प्रस्तावित संव्यवहारों से उद्भूत हुए हैं, आयकर अधिनियम, 1961की

धारा 245घ(1) के अधीन अग्रिम विनिर्णय अभिप्राप्त करने के लिए आवेदन का प्ररूप

(कृपया इस प्ररूप को भरने से पहले टिप्पण को सावधानी पूर्वक पढ़ें)

अग्रिम विनिर्णय के लिए प्राधिकरण के समक्ष

1999 का आवेदन संख्यांक

- टेलीफोन और फैक्स सहित आवेदक का पूरा नाम और पता
- प्रास्तिक्षिति
- आवेदक पर अधिकारिता रखने वाला आयुक्त और निर्धारण अधिकारी
- स्थायी लेखा संख्यांक
- उस अनिवासी का नाम, पता, टेलीफोन/ फैक्स संख्या जिसके साथ संव्यवहार किया जाना है या किए जाने का प्रस्ताव है
- क्रम स 5 में निर्दिष्ट वह व्यक्ति, जिसके साथ संव्यवहार किया गया है या किए जाने का प्रस्ताव है, अनिवासी होने के कारण दावे का आधार
- किसी अनिवासी की करदायता के संबंध में विधि संबंधी या तथ्य संबंधी प्रश्न, जो किसी ऐसे संव्यवहार से उद्भूत हुए हैं, जिन्हें किया जाना है या किए जाने का प्रस्ताव है और जिनका अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है
- पूर्वोक्त प्रश्न(प्रश्नों) से संबंधित सुसगत तथ्यों का कथन
- पूर्वोक्त प्रश्न(प्रश्नों) की बाबत यथास्थिति विधि या तथ्यों के निर्वचन के बारे में आवेदक का कथन
- सलग्न दस्तावेजों/कथनों की सूची
- आवेदन के साथ सलग्न खाते में सदेय झापट की विशिष्टियां

हस्ताक्षर
(आवेदक)

सत्यापन

मैं, ————— (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) ————— जो कि ————— का सत्यापिता से सुपुत्र/सुपुत्री/एली ————— घोषणा करता/करती हूँ कि जो कुछ ऊर और उपाबंध(उपाबंधों) में, जिसके अंतर्गत ऐसे उपाबंध (उपाबंधों) में सलग्न दस्तावेजें भी हैं, कथित वह नरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण हैं। मैं यह और घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह आवेदन ————— के रूप में अपनी हेसियत में दे रहा/रही हूँ और मैं यह आवेदन देने और उसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

आज तारीख ————— को सत्यापित किया गया।

हस्ताक्षर
(आवेदक)

स्थान —————

टिप्पणी

1. आवेदन को चार प्रतियों में अंग्रेजी या हिन्दी में भरा जाना चाहिए ।
2. आवेदन की प्राप्ति संख्यांक और वर्ष अधिक्रम विनिर्णय प्राधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा ।
3. यदि आवेदन में किसी मद का उत्तर देने के लिए दिया गया स्थान अपर्याप्त है, तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकता है । ये आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए ।
4. आवेदन के साथ नई दिल्ली में संदेश अधिक्रम विनिर्णय प्राधिकरण के पक्ष में लिखा गया दो हजार पांच सौ रुपयों का खाता भागदेश ड्राफ्ट होना चाहिए । ड्राफ्ट की विशिष्टियां मद सं. 11 के उत्तर में दी जानी चाहिए ।
5. मद सं. 2 के उत्तर में, आवेदक को यह कथित करना चाहिए कि क्या वह व्यष्टि है, हिन्दू अविभक्त कुटुंब है, फर्म है, व्यक्तियों का संगम या कंपनी है ।
6. मद सं. 5 के लिए, उत्तर आय-कर अधिनियम की धारा 6 में यथा अन्तर्विष्ट भारत 'निवास' के संबंध में उपबंधों के संदर्भ में दिया जाना चाहिए । इस संबंध में स्थिति निम्नलिखित रूप में है :
कोई व्यष्टि किसी वित्तीय वर्ष में 'निवासी' तब कहा जाता है जबकि वह उस वर्ष के दौरान :
182 या अधिक दिनों की कालावधि या कालावधियों तक भारत में रहा है, या
60 या अधिक दिनों की कालावधि या कालावधियों तक भारत में रहा है और पूर्ववर्ती चार वर्षों के अन्दर भी 365 या अधिक दिनों की कालावधि या कालावधियों तक भारत में रहा है ।
किन्तु भारत के किसी नागरिक या भारतीय मूल के किसी व्यक्ति की दशा में, जो भारत के बाहर रह रहा है और भारत में प्रमण करने आता है, 60 दिनों की कालावधि को 150 दिनों तक बढ़ा दिया जाता है और उस दशा में 182 दिनों तक बढ़ा दिया जाता है जब भारत का कोई नागरिक भारत के बाहर नियोजन के प्रयोजन के लिए या किसी भारतीय पोत के कर्मी दल के किसी सदस्य के रूप में भारत छोड़ता है ।
व्यक्तियों को कोई सामन या हिन्दू अविभक्त कुटुंब हर दशा में भारत में निवासी कहा जाता है सिवाय उस दशा के जिसमें उसके कामकाज का नियंत्रण और प्रबंध सम्पूर्णतः भारत के बाहर स्थित है ।
कोई कंपनी भारत में निवासी तब कही जाती है जब कि वह एक भारतीय कंपनी है या उसके कामकाज का नियंत्रण और प्रबंध सम्पूर्णतः भारत में स्थित है ।
ऐसा व्यक्ति, जो उपर्युक्त रूप में भारत का निवासी नहीं है, मारत में अनिवासी है ।
7. मद सं. 7 के संबंध में, प्रश्न वास्तविक या प्रस्तावित संव्यवहारों पर आधारित होना/होने चाहिए । काल्पनिक प्रश्न ग्रहण नहीं किए जाएंगे ।
8. मद सं. 8 के संबंध में, उपांबध I में, आवेदक को सुसंगत तथ्यों को सविस्तार कथित करना चाहिए और अपने कारबार या वृत्ति की प्रकृति तथा सम्भावित तारीख और प्रस्तावित संव्यवहार (व्यवहार) का प्रयोजन भी प्रकट करना चाहिए । आवेदन के साथ भेजे गए दस्तावेजों में प्रतिबिम्बित सुसंगत तथ्य, तथ्यों के कथन में सम्मिलित किया जाना चाहिए न कि केवल निर्देश द्वारा सम्मिलित किए जाने चाहिए ।
9. मद सं. 9 के लिए, उपांबध II में, आवेदक को उस प्रश्न (उन प्रश्नों) की बाबत, जिस/ जिन पर अधिक्रम विनिर्णय द्वारा गया है, विधि या तथ्यों का अपना निर्वचन स्पष्ट रूप से कथित करना चाहिए ।
10. आवेदन, उससे संलग्न सत्यापन, आवेदन के उपांबध तथा उपांबधों से संलग्न कथन और दस्तावेजें आयकर अधिनियम, 1962 के नियम 44जे के उपनियम (2) के अधीन हस्ताक्षरित होने चाहिए ।

उपांध - I

प्रश्न (प्रश्नों) जिन/जिस पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है,
संबंधित सुसंगत तथ्यों का कथन ।

हस्ताक्षर
आवेदक

स्थान. _____
तारीख _____

उपांध - II

प्रश्न (प्रश्नों) जिन/जिस पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है, संबंध में,
यथास्थिति विधि या तथ्यों के निर्वचन से युक्त कथन ।

हस्ताक्षर
आवेदक

स्थान. _____
तारीख _____

“ प्ररूप संख्यांक 34घ

(नियम 44ज देखिए)

आयकर अधिनियम, 1961की

धारा 245घ(1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अधिसूचित व्यक्तियों
के वर्ग या प्रवर्ग के अंतर्गत आने वाले किसी व्यक्ति द्वारा अग्रिम विनिर्णय अभिप्राप्त करने के लिए आवेदन
का प्ररूप

(कृपया इस प्ररूप को भरने से पहले टिप्पण को सावधानी पूर्वक पढ़ें)

अग्रिम विनिर्णय के लिए प्राधिकारी के समक्ष

1999 का आवेदन संख्यांक

- टेलीफोन और फैक्स सहित आवेदक का पूरा नाम और पता
- प्रास्थिति
- स्थायी लेखा संख्यांक
- आवेदक पर अधिकारिता रखने वाला आयुक्त और निर्धारण अधिकारी
- आयकर आयुक्त (अपील) या अधिकरण के समक्ष अपील की विशिष्टियां, अपील का संख्यांक और
तारीख
- निर्धारण वर्ष, निर्धारण आदेश की तारीख और वह धारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने मूल आदेश
पारित किया था जहां आवश्यक हो, (निर्धारण आदेश और अपील आदेश की प्रति संलग्न करें)
- विधि संबंधी या तथ्य संबंधी प्रश्न, जिनपर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है
- पूर्वोक्त प्रश्न(प्रश्नों) से संबंधित सुसंगत तथ्यों का कथन

9. पूर्वोक्त प्रश्न(प्रश्नों) के बारे में यथास्थिति विधि या तथ्यों के निर्वचन के बारे में आवेदक का कथन
10. संलग्न दस्तावेजों/कथनों की सूची
11. आवेदन के साथ संलग्न खाते में संदेय ड्राफ्ट की विशिष्टियां

हस्ताक्षर
(आवेदक)

सत्यापन

मैं, ————— (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) ————— जो कि ————— का सत्यानिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि जो कुछ ऊपर और उपांग(उपांगों) में, जिसके अंतर्गत ऐसे उपांग (उपांगों) से संलग्न दस्तावेजें भी हैं, कथित वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण हैं। मैं यह और घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह आवेदन ————— के रूप में अपनी हैसियत में दे रहा/रही हूँ और मैं यह आवेदन देने और उसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

आज तारीख ————— को सत्यापित किया गया।

हस्ताक्षर
(आवेदक)

स्थान —————

टिप्पणी

1. आवेदन को धार प्रतियों में अंग्रेजी या हिन्दी में भरा जाना चाहिए।
2. आवेदन की प्राप्ति संख्यांक और वर्ष अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
3. यदि आवेदन में किसी मद का उत्तर देने के लिए दिया गया स्थान अपर्याप्त है, तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकता है। ये आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए।
4. आवेदन के साथ नई दिल्ली में संदेय अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के पक्ष में लिखा गया दो हजार पाँच सौ रुपयों का खाता मानदेय ड्राफ्ट होना चाहिए। ड्राफ्ट की विशिष्टियां मद सं. 11 के उत्तर में दी जानी चाहिए।
5. मद सं. 2 के उत्तर में, आवेदक को यह कथित करना चाहिए कि क्या वह व्यष्टि है, हिन्दू अविभक्त कुटुंब है, फर्म है, व्यक्तियों का संगम या कंपनी है।
6. मद सं. 7 के संबंध में, विधि और तथ्य के उठाए गए प्रश्न संक्षिप्त और सीधे ही निर्धारण आदेश से उद्भूत होने चाहिए।
7. मद सं. 8 के संबंध में, उपांग I में, आवेदक को सुसंगत तथ्यों को सविस्तार कथित करना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कर का प्रभाव भी स्पष्टतः बताया जाना चाहिए।
8. मद सं. 9 के लिए, उपांग II में, आवेदक को उस प्रश्न (उन प्रश्नों) की बाबत, जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है, विधि या तथ्यों का अपना निर्वचन स्पष्ट रूप से कथित करना चाहिए।
9. आवेदन, उससे संलग्न सत्यापन, आवेदन के उपांग तथा उपांगों से संलग्न कथन और दस्तावेजें आयकर अधिनियम, 1962 के नियम 44ड के उपनियम (2) के अधीन हस्ताक्षरित होने चाहिए।

उपांग - I

प्रश्न (प्रश्नों) जिन/जिस पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है,
संबंधित सुसंगत तथ्यों का कथन।

हस्ताक्षर
आवेदक

स्थान, —————
तारीख —————

उपांग - II

प्रश्न (प्रश्नों) जिन/जिस पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है, के संबंध में,
यथास्थिति, विधि या तथ्यों के निर्वचन से युक्त कथन ।

हस्ताक्षर
आवेदक

स्थान, _____
तारीख _____

[अधिसूचना सं. 10946/फा.सं. 153/85/98-टी.पी.एल.]
डॉ. कर्णपाकर राष्ट्र, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ) तारीख 26-3-1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनका अंतिम आयकर (नौवां संशोधन) नियम, 1999 अधिसूचना सं.का.आ. 381 (अ) तारीख 25-5-99 द्वारा किया गया।

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th May, 1999

INCOME-TAX

S.O. 395(E).— In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (10th Amendment) Rules, 1999.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In Income-tax Rules, 1962,-

(a) in rule 44E, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

“(1) An application for obtaining an advance ruling under sub-section (1) of section 245Q shall be made in quadruplicate,-

- (a) in FORM NO.34C in respect of a non-resident applicant;
- (b) in FORM NO.34D in respect of a person seeking advance ruling in relation to the tax liability of a non-resident arising out of transaction undertaken or proposed to be undertaken by him with a non-resident; and
- (c) in FORM NO.34E in respect of a resident falling within any such class or category of person as notified by Central Government in exercise of powers conferred by sub-clause (ii) of clause (b) of section 245N,

and shall be verified in the manner indicated therein.”;

(b) in Appendix II, after FORM NO.34C, the following forms shall be inserted, namely:-

“ FORM NO.34D

[See rule 44E]

**Form of application by a person seeking advance ruling under section 245Q(1) of the
Income-tax Act, 1961 in relation to the tax liability of a non-resident
arising out of a transaction undertaken or proposed to be undertaken
(PLEASE READ THE NOTES CAREFULLY BEFORE FILLING THIS FORM)
BEFORE THE AUTHORITY FOR ADVANCE RULINGS**

Application No.

1. Full name and address of the applicant with telephone and Fax Number
2. Status
3. Commissioner and Assessing Officer having jurisdiction over the applicant
4. Permanent Account Number
5. Name, address, telephone/fax number of the non-resident with whom the transaction is undertaken or proposed to be undertaken
6. Basis of claim that the person referred to in serial number 5 with whom the transaction is undertaken or proposed to be undertaken is a non-resident
7. Question(s) of law or of fact relating to the tax liability of a non-resident arising out of a transaction undertaken or proposed to be undertaken on which the advance ruling is required
8. Statement of the relevant facts having a bearing on the aforesaid question(s)
9. Statement containing the applicant's interpretation of law or facts, as the case may be, in respect of the aforesaid question(s)
10. List of documents/statements attached
11. Particulars of account payee demand draft accompanying the application

Signed
(Applicant)

Verification

I, _____ (name in full and in block letters) _____ son/daughter/wife of _____ do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief what is stated above and in the annexure(s), including the documents accompanying such annexure(s), is correct and complete I further declare that I am making this application in my capacity as _____ and that I am competent to make this application and verify it. _____ (designation)
Verified today the _____ day of _____
Place.

Signed
(Applicant)

Notes:

1. The application must be filled in English or Hindi in quadruplicate
2. The number and year of receipt of the application will be filled in the office of the Authority for Advance Rulings
3. If the space provided for answering any item in the application is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose. These should be signed by the applicant.
4. The application must be accompanied by an account payee demand draft of two thousand five hundred rupees drawn in favour of Authority for Advance Rulings, payable at New Delhi. Particulars of the draft should be given in reply to item No 11.
5. In reply to item No.2, the applicant must state whether he/it is an individual, Hindu undivided family, firm, association of persons or company.

6. For item No 5, the reply must be given in the context of the provisions regarding 'residence' in India as contained in section 6 of the Income-tax Act. The position in this regard is as follows.

An individual is said to be 'resident' in any financial year, if he has been in India during that year:

- for a period or periods of 182 days or more; or
- for a period or periods of 60 days or more and has also been in India within the preceding four years for a period or periods of 365 days or more.

However, the period of 60 days is increased to 150 days in the case of a citizen of India or a person of Indian origin who has been outside India and comes on a visit to India, and to 182 days in a case when a citizen of India leaves India for purposes of employment outside India, or as a member of the crew of an Indian ship.

An association of persons or a Hindu undivided family is resident in India in every case except where the control and management of its affairs is situated wholly outside India.

A company is resident in India, if it is an Indian company or the control and management of its affairs is situated wholly in India.

A person who is not resident in India as above, is non-resident in India.

7. Regarding item No.7, the question(s) should be based on actual or proposed transactions. Hypothetical questions will not be entertained

8. In respect of item No.8, in Annexure I, the applicant must state in detail the relevant facts and also disclose the nature of his business or profession and the likely date and purpose of the proposed transaction(s). Relevant facts reflected in documents submitted along with the application must be included in the statement of facts and not merely incorporated by reference.

9. For item No.9, in Annexure II, the applicant must clearly state his interpretation of law or facts in respect of the question(s) on which the advance ruling has been sought.

10. The application, the verification appended thereto, the annexures to the application and the statements and documents accompanying the annexures, must be signed as per sub-rule (2) of rule 44E of the Income-tax Rules, 1962.

Annexure I
Statement of the relevant facts having a bearing on the
question(s) on which the advance ruling is required

Place.....
 Date.....

Signed
 (Applicant)

Annexure II

Statement containing the applicant's interpretation of law or facts, as the case may be, in respect of the question(s) on which advance ruling is required

Place.
Date.....

Signed
(Applicant)

FORM NO.34E

[See rule 14E]

Form of application by a person falling within such class or category of persons as notified by Central Government in exercise of powers conferred for obtaining an advance ruling under section 245Q(1) of the Income-tax Act, 1961

(PLEASE READ THE NOTES CAREFULLY BEFORE FILLING THIS FORM)

BEFORE THE AUTHORITY FOR ADVANCE RULINGS

Application No..... of

1. Full name and address of the applicant telephone and Fax Number
2. Status
3. Permanent Account Number
4. Commissioner and Assessing Officer having jurisdiction over the applicant
5. Particulars of the appeal number and date of appeal before the CIT(A) or the Tribunal
6. Assessment year, date of assessment order and section under which the original order was passed by the Assessing Officer where ever applicable (enclose copy of the assessment order and appellate order)
7. Question (s) of law or of fact involved on which the advance ruling is required.
8. Statement of the relevant facts having a bearing on the aforesaid question(s)
9. Statement containing the applicant's interpretation of law or facts, as the case may be, in respect of the aforesaid question(s)
10. List of documents/statements attached
11. Particulars of account payee demand draft accompanying the application

Verification

I, _____ (name in full and in block letters) son/daughter/wife of _____ do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief what is stated above and in the annexure(s), including the documents accompanying such annexure(s), is correct and complete I

further declare that I am making this application in my capacity as _____ and that I am competent to make this application and verify it _____ (designation)

Verified today the _____ day of _____
Place.

Signed
(Applicant)

Notes:

1. The application must be filled in English or Hindi in quadruplicate
2. The number and year of receipt of the application will be filled in the office of the Authority for Advance Rulings
3. If the space provided for answering any item in the application is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose. These should be signed by the applicant
4. The application must be accompanied by an account payee demand draft of two thousand five hundred rupees drawn in favour of Authority for Advance Rulings, payable at New Delhi. Particulars of the draft should be given in reply to item No 11
5. In reply to item No 2, the applicant must state whether he/it is an individual, Hindu undivided family, firm, association of persons or company.
6. Regarding item No.7, the question(s) of law and fact raised should be precise and directly arise from the assessment order
7. In respect of item No.8, in Annexure I, the applicant must state in detail the relevant facts. The tax effect on each question should also be spelt out
8. For item No.9, in Annexure II, the applicant must clearly state his interpretation of law or facts in respect of the question(s) on which the advance ruling is being sought
9. The application, the verification appended thereto, the annexures to the application and the statements and documents accompanying the annexures, must be signed as per sub-rule (2) of rule 44E of the Income-tax Rules, 1962

Annexure I
Statement of the relevant facts having a bearing on the question(s) on which the advance ruling is required

Place
Date.

Signed
(Applicant)

Annexure II
Statement containing the applicant's interpretation of law or facts, as the case may be, in respect of the question(s) on which advance ruling is required

Place
Date.

Signed
(Applicant)

[Notification No. 10946/F.No. 153/85/98-TPL]

D KARUNAKARA RAO, Under Secy.

Note : The principal rules were published vide notification number S.O. 969(E) dated 26.3.1962 and were last amended by Income-tax (9th Amendment) Rules, 1999 vide Notification S.O. No. 381(F) dated 25.5.99